भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2462

सोमवार, 15 दिसंबर, 2025/24 अग्रहायण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हिमाचल प्रदेश में हिंदू और सिख तीर्थस्थलों का विकास

†2462. श्री अनुराग सिंह ठाकुरः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश के मंडी, कांगड़ा, ऊना, बिलासपुर और हमीरपुर जिलों में हिंदू और सिख तीर्थस्थलों के विकास के लिए सभी केंद्रीय योजनाओं और बजटीय आवंटन का ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक योजना के अंतर्गत भौतिक कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है, तथा मंदिर जीर्णोद्धार, गुरुद्वारा संबंधी अवसंरचना, पहुंच मार्ग, पार्किंग सुविधाएं और विश्राम की सुविधाएं तथा अन्य परियोजना कार्यों के पूरा होने की समय-सीमा क्या है:

(ग) इस संबंध में जिला-वार और परियोजना-वार स्वीकृत राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त तीर्थस्थलों का सतत् रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय समुदायों, धर्मावलंबियों और हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के साथ किए गए समन्वय का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन परियोजनाओं के पूरा होने पर तीर्थयात्रियों की वार्षिक संख्या और पर्यटन संबंधी राजस्व में कितनी वृद्धि होने की आशा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी जारी योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को हिमाचल प्रदेश राज्य सहित संपूर्ण देश में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को संपूरित करता है।

'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0' और 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' नामक योजनाओं के तहत हिमाचल प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का उनकी स्थिति सहित विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इन परियोजनाओं का क्रियान्वयन संबंधित राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा किया जाता है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से परियोजनाओं की निगरानी करता है और संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को समयबद्ध तरीके से परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

(घ) और (ड.): संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन अपने प्रशासन, स्थानीय निकायों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श से योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करते हैं। पर्यटन मंत्रालय को प्रस्तुत किए जाने वाले डीपीआर में प्रस्तावित परियोजनाओं के संबंध में सतत संचालन एवं रखरखाव की योजनाएं भी शामिल होती हैं।

परिचालन एवं रखरखाव सहित पूरी हो चुकी परियोजनाओं की स्थिरता संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की जाती है। पर्यटन मंत्रालय की अवसंरचना विकास परियोजनाओं का लक्ष्य अन्य विषयों के साथ-साथ पर्यटक आगमन में वृद्धि करना और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाना है।

******

अनुबंध

श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा हिमाचल प्रदेश में हिंदू और सिख तीर्थस्थलों का विकास के संबंध में दिनांक 15.12.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2462 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

हिमाचल प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजना की सूची:

क्र. सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**जारी राशि (करोड़ रु. में)**	**स्थिति**
1.	हिमालयन परिपथ 2016-17	हिमालयन परिपथ: कियारीघाट, शिमला, हाटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चंबा का विकास	45.41	68.34	पूर्ण

हिमाचल प्रदेश में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजना की सूची:

क्र.सं	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**प्राधिकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**स्थिति**
1.	2024-25	मां चिंतपूर्णी देवी मंदिर, ऊना का विकास	56.26	5.63	जारी

हिमाचल प्रदेश में सीबीडीडी योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

क्र.सं	**स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**प्राधिकृत राशि (करोड़ रु. में)**	**स्थिति**
1.	2024-25	काज़ा में पर्यटन अवसंरचना का विकास	24.82	2.48	जारी
2.	2024-25	रक्छम, छितकुल में पर्यटन अवसंरचना का विकास	4.96	0.50	जारी

****